अखलासे अमल

मौलाना जलील अहसन नदवी रह. राहे अमल हिन्दी.

'नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.'

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

मुस्लिम, रावी हज़रत अबू हुरैरा रदी. खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया कि अल्लाह तआला ने फरमाया मै दूसरे शरीकों के मुकाबले मै शिर्क से ज़्यादा बेनियाज़ हूं, जिस शख्स ने कोई नेक काम किया और उस मै मेरे साथ उस ने किसी और को शरीक किया तो मेरा उस के अमल से कोई संबंध नहीं, मै उस के अमल से बेज़ार हूं, वह अमल तो उस दूसरे का हिस्सा है जिस को मेरे साथ उस ने शरीक किया.

जिन लोगों को नेकी की तौफीक मिली है उन को और दीन का काम करने वालों को खासतौर से सोचना चाहिये कि इस हदीस मै क्या बात कही गई है इस मै आप ﷺ ने बताया है कि नेकी का जो काम भी हो चाहे उस का तअल्लुक इबादात से हो या मुआमलात से हो, चाहे वह नमाज़ हो या खुदा के बन्दों की खिदमत, अगर उस का मकसद दिखावा और शौहरत

हासिल करना हो, या किसी गिरोह या किसी शख्स से शाबाशी लेनी हो तो अल्लाह के यहा उस की हैसियत सिर्फ सिफर की होगी और अगर उस की खुशनूदी भी इस का मकसद है और लोगों की शाबाशी लेनी भी उस का मकसद है तो भी वह अमल बेकार होकर रह जाएगा, और अगर शुरू मै तो खुदा की खुशनूदी ने अमल पर उभारा मगर बाद मै दूसरों की खुशनूदी ने उसकी जगह ले ली तो यह अमल भी बेकार जाएगा.

इसलिये बहुत होशियार रहना होगा, शैतान के आने के हजारो दरवाजे हैं, ऐसे दिखाई न देने वाले दुश्मन के हमलों से बचने की एक ही तरकीब है अल्लाह के सामने गिरना, उससे अपनी मजबूरी बयान करना, खुदा मदद न करे तो कमज़ोर इन्सान शैतानी हमलों से कैसे बच सकता है.?